

25000

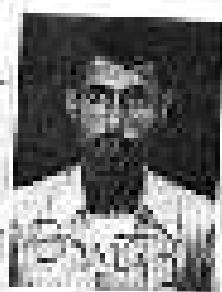
25000

पर्याप्त रुपार्थ

25000

1000

0300 785757



विक्रय विवेद

पिंडप गुरुद्वारा : ₹ 0 24,65,000/-

बाबील गुरुद्वारा : ₹ 0 17,14,500/-

स्टोर शॉप : ₹ 0 2,46,500/-

परमानन्द : विक्रीर

यह गिरफ्त विवेद द्वारा दर्शन के काले पुराणे

परानी निवासी - पापा पुष्पचार नगर पुस्तकाल, परमानन्द

-विक्रीर, तहसील व ज़िला, लखनऊ जिन्हें आवे

दिन ०५.०८.२०१८ दिन ०३.०८.२०१८



लखनऊ

लखनऊ

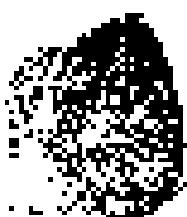
ପାଇଁ କୌଣସି, କହନ୍ତି

ମାତ୍ରାରେ ଦୁଇଟିମାତ୍ରାରେ
ଶୁଣିବାରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

କାହାରେ **କିମ୍ବା କିମ୍ବା**

କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା + କିମ୍ବା

କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା



କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା



03DD 765756

- 2 -

मिळेतागण कहा गया है। एनम् राम आसरे पुत्र राम
विलास कोरी निवारी—पाय मिल्लिपुर मिट्टीलिया,
पोरट—नीगांच, जिला—कत्तोळपुर जिरो आगे क्षेत्रा कहा गया
है, के सहा निष्पादित किया गया।

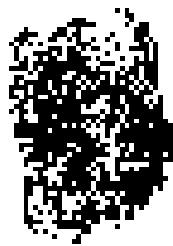
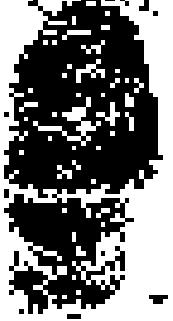
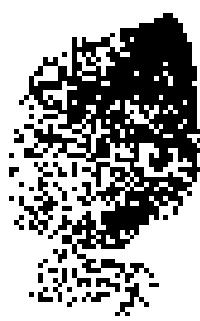
जह कि निक्केतागण भूमि लखरा 265 रुकबा 1.559
हे कटेअर रिचर पाय गुजरात नगर चूसचल, परगना
—पिंजनीर, तहसील ये जिला लखनऊ, का भालिक,
कामिल ल कानिजा हैं तथा उपरोक्त सत्यामेता ५८८० रुपए

प्रिया २००१४०

२०२१-२१०३२

କାହାର କାହାର କାହାର
କାହାର କାହାର କାହାର
କାହାର କାହାର କାହାର
କାହାର କାହାର
କାହାର

କାହାର କାହାର କାହାର
କାହାର କାହାର କାହାର
କାହାର କାହାର କାହାର
କାହାର କାହାର
କାହାର



କାହାର କାହାର
କାହାର କାହାର
କାହାର
କାହାର
କାହାର

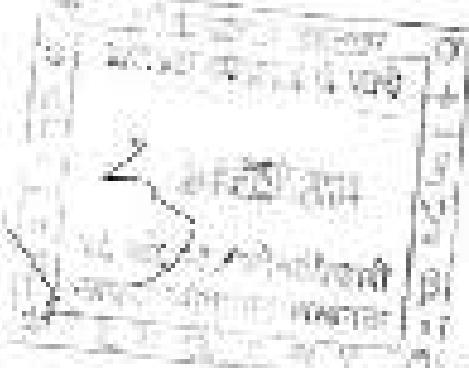


0300 766755

खाली खत्तीनी क्रम सल्ला 177 ने अनुसार भूमि
विक्रेतागण ने नाम का अमल दराधारा राजस्व अधिकारों में
हो गया है। विक्रेतागण अपना सम्पूर्ण डिस्ट्री क्रेंट को
इस विक्रय विलेख द्वारा विकल छर रहा है विक्रेतागण
लगानी जापूर्ण भूमि के मालिक, कामिल ए कामिन उ
एवं कर्तागान समय में उक्त भूमि कृषि भूमि है, और यह
के विक्रेतागण यह घोषित करता है कि लगानी जापूर्ण
भूमि जमी एकार के मारो से भूक्त एवं पाक च शाक है
जो भाग भाग



0300 785754



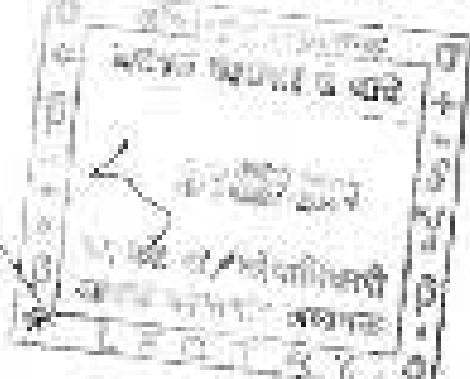
- 4 -

तेज्या विक्रेतागण ने जसे इस प्रक्रिया के पुर्व कही थय,
हिंवा, गिरही जा अनुबन्धित इत्यादि नहीं किया है।
उपरोक्त मूलि जा उत्तम कोइ भाग किसी न्यायालय या
सरकारी कार्यालयी के अन्तर्गत विवाद का वस्तु विषय नहीं
है, न ही कुछ इत्यादि है। विक्रेतागण के अलावा उत्तर
भूग्रे में किसी अन्य व्यक्ति का रखत्य, छल या दावा
इत्यादि नहीं है, एवं विक्रेतागण को जवाल विक्रिय अन्तरण
करने का पूरा अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त संहारि

१९३१-१९३२



0300 765753



- 5 -

के कलावन्मय रु 24,66,000/- (बीचीरा लाख पैसाठ
रुपारुपार) के प्रतिकल ने जिसका कि उपरोक्ता को
जारा विक्रेतागण की इस विलेख के अन्त में ही एक
अनुसूची में बाणीत विवि के अनुसार भूगतान कर दिया
गया है एवं जिसकी प्राप्ति को विक्रेतागण गहरी स्वीकार
करता है तदनुसार उक्त विक्रेतागण उक्त कोटि के हाथ
उपरोक्त वर्षित गुमि जिसका विवरण इस विक्रेता
के अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है तो कलाव
न्मय रुपारुपार

कलावन्मय



II DD 785752



केंद्र दिया है, एवं विक्रीतागण ने विक्रयशुद्ध का सीको
पर कल्पना केंद्रा को बल्लूली करा दिया गया है। अब उक्त
आदाजी यह विक्रीतागण तथा उसके बारिसान का कोई
आधिकार नहीं है। विक्रीतागण ने विक्रयशुद्ध सम्पत्ति को
अपने स्वामित्व के समस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया य
इमेशा को लिए केंद्रा को लक्ष्यान्तरित कर दिया है। अब
केंद्र विक्रयशुद्ध सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक माम को अपने
संघर्ष इतानिवार्य व आधिकार व क्रिये में सम्पत्ति के

17-10-1970
6-10-1970

राजभाष्यकारी



विक्रेता या ग्राहक
के विवरों को दें।
१. नाम वा व्यापार नाम
लाला बड़ाबाज़ लखनऊ
२. अपने व्यापार का विवर
क्रमांक वारिसान निष्पादकगण
पारण एवं उपयोग व उपयोग करें। विक्रेता या ग्राहक
उसने फिरी प्रकार जी अहमन बाधा नहीं लात सकेंगे एवं
न ही कोई भाग कर सकेंगे। और यदि विक्रेता या ग्राहक
सम्पत्ति अथवा कोई भाग विक्रेता या ग्राहक में चुटि
के कारण यह कानूनी अहमन या कानूनी जुटि के कारण
क्रेता या तसके वारिसान निष्पादकगण इत्यादि के कानून
जा अनिकार या इवत्य ऐ निकल जावे तो उत्ता तसके
वारिसान निष्पादकगण इत्यादि को अह रुक लोगा कि वह
कैसे आपसन् बिल भेज सकते।

२०१३-१५२८



समस्त नुकसान गर्ने हुँदौं प अचौं विक्रेतागण नी
बल, अबल रामातिंत्र से वरिचे आदालता गर्नुल कर ले। उस
सिंधित में विक्रेतागण एवं उसके बारिसान हुँदौं प अचौं
देखे हेतु बाध्य होगा।

यह कि केही विक्रेताद्वारा रामातिंत्र की दाढिल
रायदिल राजस्व जीरीलोलो में अपने नाम दख्ले करा ले तो
विक्रेतागण जो कोई जानातिंत्र न होना छौर यह कि इस
प्रिक्रिय विलोक्त के शुरू का बागार कोई बकाया किरी उरेह
प्रिक्रिय विलोक्त के शुरू का बागार कोई बकाया किरी उरेह

किरी उरेह



0300 795749

| | |
|---|-------------------------|
| ० | संग्रहालय नम्बर |
| १ | खाता संख्या वे नम्बर |
| २ | ३.८५७५ |
| ३ | ८ रुपये/भौवादिकरण |
| ४ | साठी रुपये अपेक्षा अधिक |
| ५ | ८.८० |

- ७ -

भारत इस सम्पत्ति पर होगा जो लक्षणों विक्रीतागण
भुगतान ये नहुन करेगे, विक्रीतागण को कोई आपत्ति न
होगी।

यह कि लक्षणोंका लक्षण नम्बर १००५
शुल्कल अर्धनगरीय लोअर के विशिष्ट एवं के अन्तर्गत
आता है इसलिए नियांसित सरकिल रुप ५०
११,००,०००/- प्रति डेक्केनर के फिलाव से विकीत १५५३
१,५५३ डेक्केनर की भालिकत १७,१४,९००/- होती है युके
१००५ रुप १००५ रुप १००५

विक्रीतागण

प्रधानमंत्री द्वारा जारी किया गया

प्रधानमंत्री द्वारा जारी किया गया

नोट हस्तांक संपर्क

RUPEES

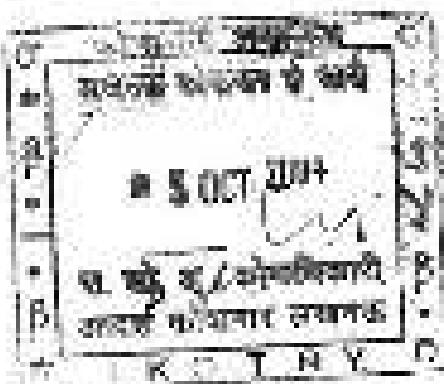
१००००

R. 20000/-

HANDS INDIA

R. 20000/-

0300 302733

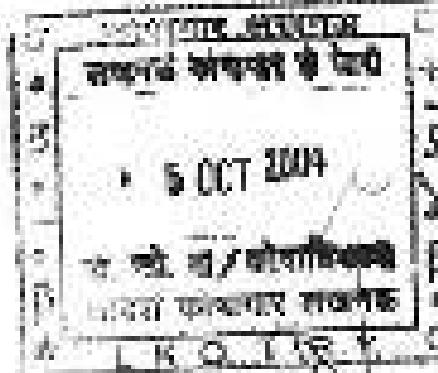


- 10 -

विक्रय मूल्य, गुणि की वालाले भूल्य से अधिक है इसलिए
नियमानुसार विक्रय मूल्य पर ही कर 2,46,500/- बगरल
स्टाम्प अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विक्रीत
मूल्य के उपराने को लिए क्य की जा रही है। इस
मूल्य में जोड़े दुधी, वालाले, य नियम आदि नहीं हैं, तथा
2000 मीट के अर्द्धव्यास में कोई शिर्माण नहीं है विक्रीत
मूल्य किसी निक भाग, राखगार्ड य अनपर्याप्त भाग पर
छिपा नहीं है। विक्रीत गुणि सुलतानपुर ५०० रुपये का लगभग

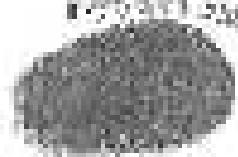
३०००० रुपये

५००० रुपये

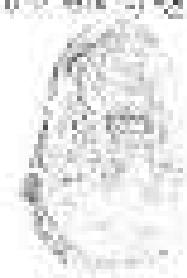


इस किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विक्रेतागण व
क्रेता नोंचों अनुशृंखित जाति के राष्ट्रव्य हैं। इस प्रकाश
विलोक्य के निवाखन का समर्पण यथा उन्होंना द्वारा कहने गिया
गया है।

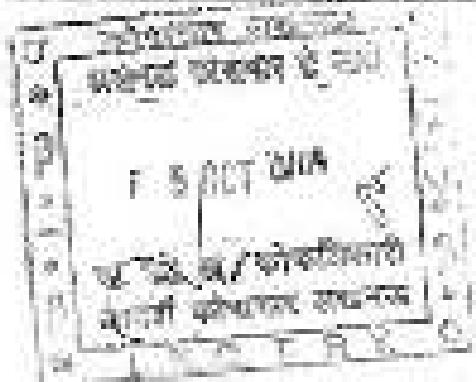
लिहाजा यह विक्रान्त यज इन गिरकारागण ने क्रेता की
पक्ष में लिख दिया ताकि सभी ऐसे आवाहनों
परन्तु पर काम आवें।



दिल्ली जन २००४



दिल्ली जन २००४



12

परिशिष्ट : विवरण विकायशुद्धि सम्पर्कि का विवरण

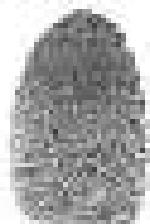
मुझे लखरा 265 रुपया 1.559 रुपयोंमें रिखत था म
गुजरात नगर छुरावल, परगना - बिजनीर, गढ़वाल ज
निला, लखनऊ, जिसकी चीफटी नेम्न है।

लखरा ७० २६५ रुपया १.५५९ रुपयोंमें

| | |
|--------|----------------------------------|
| पूर्व | : लखरा रास्ता-२७८ |
| पश्चिम | : लखरा रास्ता-२११, २५६, २८१, २८९ |
| उत्तर | : लखरा संक्षया-२७७ |
| दक्षिण | : लखरा रास्ता २६४ |

लौह रेखा-८८

लौह रेखा-८८



नीरस्त भुगतान

रुपी २४,६५,०००/- (लघुये चौमिस लाख पैसान हजार)

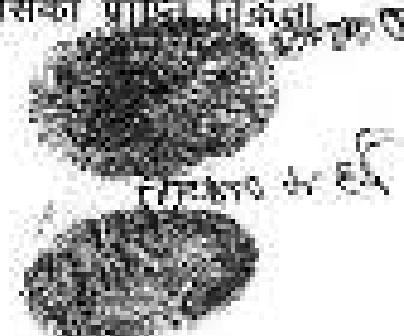
विक्रेता ने क्रेता से पापा किये जिसकी प्राप्ति विक्रेता को लाभ ही स्थीकार करते हैं।

लखनऊ

दिनांक:

गवाहाना:

मैं इस दस्तावेज़ को देखकर इसकी गवाही
मानता हूँ कि यह एक शुद्ध दस्तावेज़ है।
मैं इस दस्तावेज़ को देखकर इसकी गवाही
मानता हूँ कि यह एक शुद्ध दस्तावेज़ है।



विक्रेता

2
दस्तावेज़ का उपरान्त अभ्यास किया गया है।
मैं इसका अभ्यास किया हूँ।
मैं इसका अभ्यास किया हूँ।
मैं इसका अभ्यास किया हूँ।

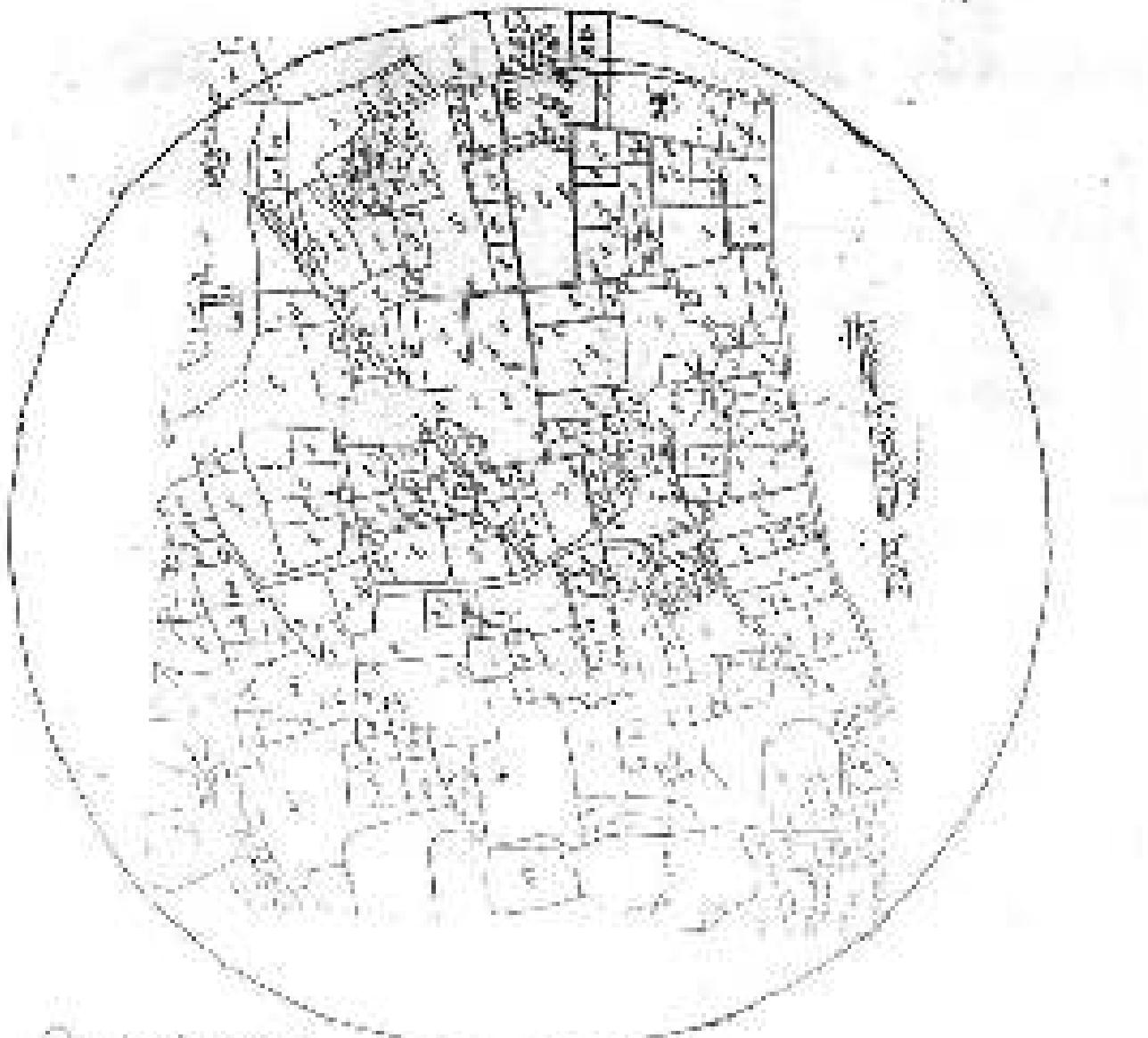
लाइगफर्म

(अधिकारी संवादी)


दस्तावेज़
क्रेता

गवाहिदाकर्ता

दस्तावेज़
(विक्रेता रमन सिंह)
एल्पोफोटो



ପ୍ରକାଶିତ ମାନ୍ୟମାତ୍ରା

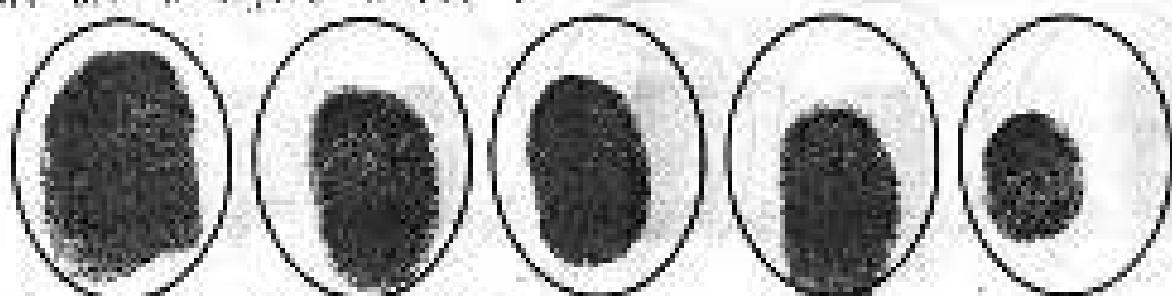
ପ୍ରକାଶିତ ମାତ୍ରା

ପ୍ରକାଶିତ ମାତ୍ରା

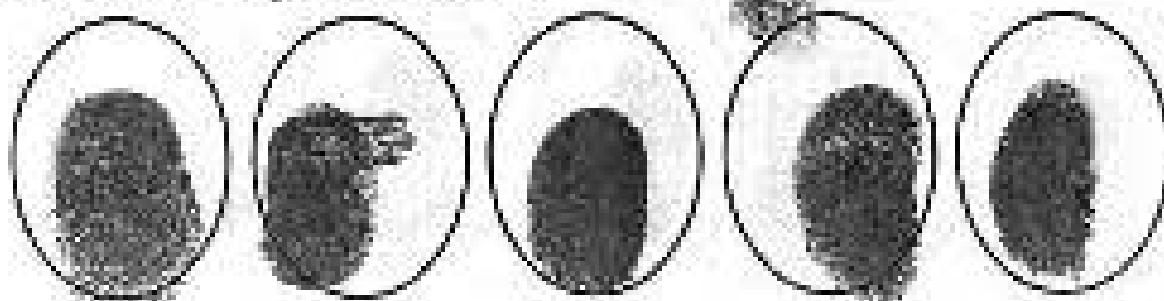
राजिस्तूशन अधिनियम 1908 को वारा 32ए. के अनुसालन
 • हेतु फिराई प्रिन्स

प्रस्तुतकार्यविद्वान का नाम व वापा : --- श्री ए. गुरु दिल्लीलाल

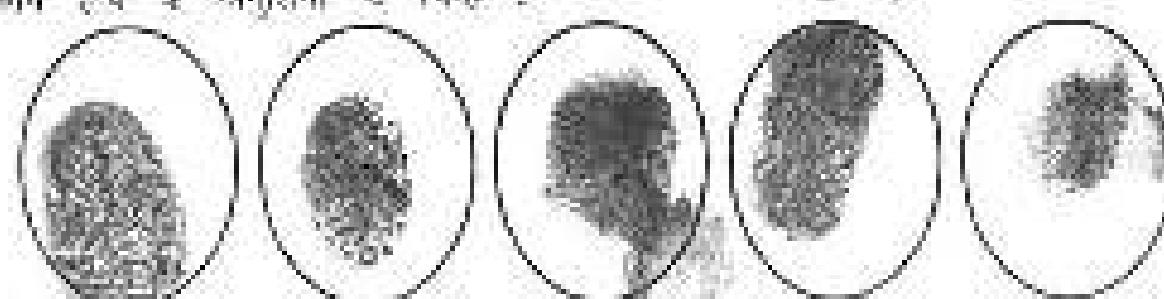
जाने हल के अंगूष्ठों के चिन : चिनक व घटना



जाने हल के अंगूष्ठों के चिन :



जाने हल के अंगूष्ठों के चिन :



जाने हल के अंगूष्ठों के चिन :



प्राप्तिकार्यविद्वान

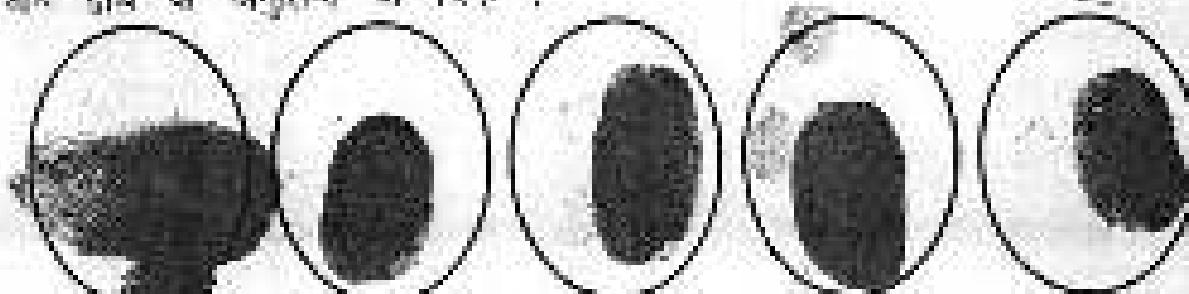
राजस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32ए. के अनुसालत

हेतु फिंगर प्रिंट्स

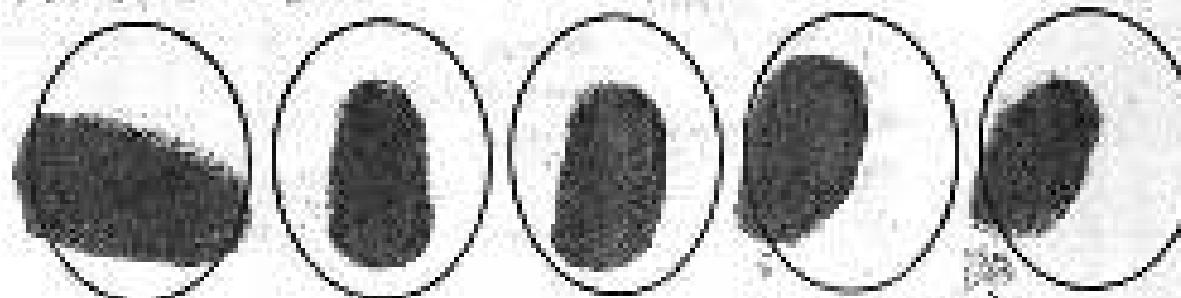
प्राप्तकार्यालय का नाम व रूप :

राजस्ट्रेशन फिंगर प्रिंट्स
प्राप्तकार्यालय/कानूनी विभाग/कानूनी विभाग

वारे हाथ के धार्यालय के लिए :



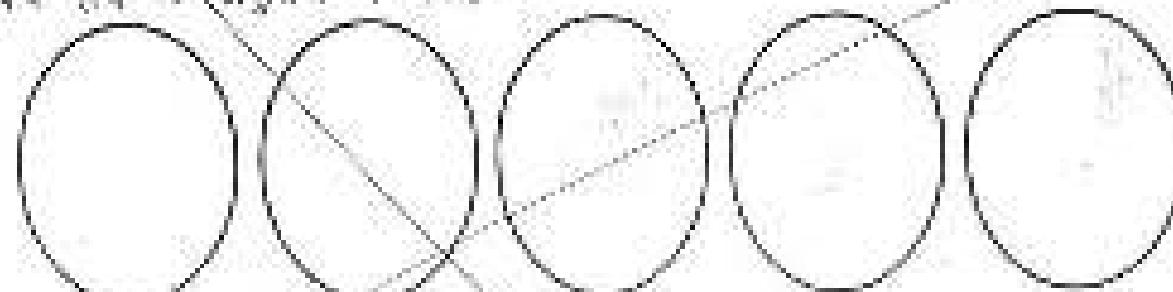
दाहों हाथ के धार्यालय के लिए :



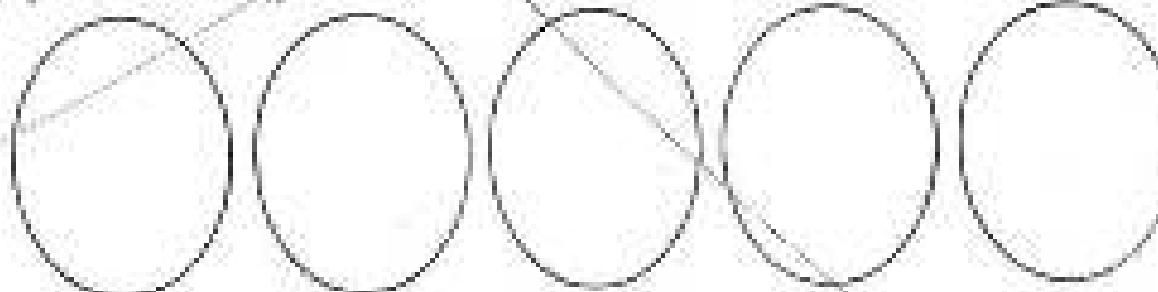
राजस्ट्रेशन फिंगर प्रिंट्स/कानूनी विभाग/कानूनी विभाग के दस्तावेज़

प्राप्तकार्यालय का नाम व पता :

वारे हाथ व धार्यालय के लिए



दाहों हाथ के धार्यालय के लिए :



विभाग वाला व उपचार

